संस्कृत–विभाग
वार्षिक रिर्पोट (2021–22)

संस्कृत भाषा संसार की समस्त परिष्कृत भाषाओं में प्राचीनतम है। निश्चय ही यह विश्व की समस्त भाषाओं में वैदिक तथा अपने महान साहित्य के कारण श्रेष्ठ है। इसको धार्मिक दृष्टि से 'देववाणी' या 'सुर–भारती' भी कहा जाता है। हिन्दू धर्म के सभी शास्त्र इसी भाषा में निबद्ध हैं तथा उनका उद्भव ऋषियों एवं देवताओं से माना जाता है। देवताओं का आह्वान करने के लिये मन्त्र आदि का निर्माण इसी भाषा में हुआ है। दण्डी ने काव्यादर्श में लिखा है–

संस्कृत नाम देवी वागन्वाख्याता महर्षिभिः।

भाषासु मधुरा मुख्य दिव्या गीर्वाण भारती।।

संसार के सर्वप्रथम ग्रन्थ ऋग्वेदादि इसी गौरवमयी वाणी में महर्षियों द्वारा भगवान की आन्तरिक प्रेरणा से निर्मित हुए थे। इसी भाषा में अध्यात्म की गम्भीर गुत्थियों को सुलझाने वाले उपनिषदों, सृष्टि के विकास–क्रम एवं प्रलय का वर्णन करने वाले इतिहास ग्रन्थ, पुराण आदि का प्रणयन हुआ।

'जयतु संस्कृतम्' के उद्देश्य को सार्थक सिद्ध करने के लिए महाविद्यालय का संस्कृत–विभाग निरन्तर प्रयासरत है जिसके लिए प्रत्येक वर्ष निम्नलिखित गतिविधियाँ विभाग द्वारा करवाई जाती हैं–

(क) संस्कृत–साहित्य परिषद् का गठन–

गत वर्ष की भान्ति इस वर्ष भी संस्कृत–साहित्य परिषद् का गठन किया गया जिसमें प्रधान–स्नातक, तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी गड्डी, अनुक्रमांक 3213020271, उपप्रधान–द्वितीय वर्ष की छात्रा ममता, अनुक्रमांक 120192002010 तथा सचिव प्रथम वर्ष की छात्रा नीरज, अनुक्रमांक 1211922002048 को चुना गया।

(ख) पुरस्कार –

महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा कुमारी राजुल जैन ने अग्रवाल कॉलेज बल्लवगढ़ के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत–दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य–स्तरीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

(ग) छात्रवृत्ति –

संस्कृत प्राध्यापिका स्वर्गीय श्रीमती हरशरणजीत कौर की स्मृति में उनके पति द्वारा संचालित ' हरशरणजीत कौर मैमोरियल ट्रस्ट' के द्वारा स्नातक (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली तथा एक निर्धन संस्कृत छात्रा को प्रतिवर्ष छात्रवृति प्रदान की जाती है। इस वर्ष सुश्री कनिका, स्नातक, तृतीय वर्ष (भूतपूर्व), अनुक्रमांक 054, सुश्री गुड्डी तृतीय वर्ष, अनुक्रमांक 3213020271, सुश्री ममता, द्वितीय वर्ष, अनुक्रमांक 120192002010 तथा निर्धन छात्रा सुश्री लक्ष्मी, द्वितीय वर्ष को 3000 रूपये की धनराशि प्रदान की गई।

(घ) प्रतियोगिता–

(1.) प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता – 15 अक्टूबर को 'विजयदशमी' के पावन अवसर पर 'रामायण' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, प्राध्यापिका, छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया।

(2.) पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता – दिनांक 29 अक्टूबर को 'दीपावली' विषय पर पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुमारी पूजा (स्नातक, द्वितीय वर्ष, अनुक्रमांक 120192002054), कुमारी ममता (द्वितीय वर्ष अनुक्रमांक 120192002010), कुमारी कोमल प्रथम वर्ष अनुक्रमांक 1211922002390 ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

(3.) श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता – 'अन्तर्राष्ट्रीय गीता जयन्ती ' के अवसर पर 'श्रीमद्भगवद् गीता' विषय पर श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुमारी रितु, (तृतीय वर्ष, अनुक्रमांक 3213020399), कमारी ममता, (द्वितीय वर्ष अनुक्रमांक 120192002210), कुमारी परमजीत (प्रथम वर्ष, अनुक्रमांक 1211922002016) ने क्रमांक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

(4.) निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता – 4 फरवरी 2022 को 'संस्कृत भाषायाम् महत्वम् तथा 'करोनाकाले योगस्य महत्वम' विषय पर संस्कृत निबन्ध–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुमारी शीतल (प्रथम वष, अनुक्रमांक 1211922002133), कुमारी प्रीति (द्वितीय वर्ष, अनुक्रमांक 120192002368) तथा कुमारी ममता (प्रथम वर्ष, अनुक्रमांक 1211922002398) ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अतः महाविद्यालय का संस्कृत विभाग, संस्कृत भाषा के प्रचार, प्रसार तथा छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन समय–समय पर करता रहता है।

नीलम

डॉ नीलम रानी
संस्कृत विभाग